संकल्प सप्ताह

संदर्भ: प्रधानमंत्री नई दिल्ली के भारत मंडपम में एक सप्ताह तक चलने वाली पहल 'संकल्प सप्ताह' का उद्घाटन करेंगे।

'संकल्प सप्ताह' के बारे में:

- संकल्प सप्ताह आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम (एबीपी) के प्रभावी कार्यान्वयन से निकटता से जुड़ा हुआ है।
- **एबीपी कार्यान्वयन:** इसे एस्पिरेशनल ब्लॉक्स प्रोग्राम (एबीपी) के कार्यान्वयन को सुविधाजनक बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया है।
- **विचार-मंथन सत्रों का समापन:** एबीपी की तैयारी के एक भाग के रूप में पूरे भारत में गाँव और ब्लॉक स्तर पर चिंतन शिविर (मंथन सत्र) आयोजित किए गए। संकल्प सप्ताह इन सत्रों की परिणति है।
- **दायरा:** सभी 500 आकांक्षी ब्लॉकों में संकल्प सप्ताह मनाया जाएगा।
- **विकास थीम:** संकल्प सप्ताह का प्रत्येक दिन एक विशिष्ट विकास थीम पर केंद्रित है। पहले छह दिनों की थीम में "संपूर्ण स्वास्थ्य," "सुपोषित परिवार," "स्वच्छता," "कृषि," "शिक्षा," और "समृद्धि दिवस" शामिल हैं।
- **समापन समारोह**: सप्ताह का अंतिम दिन पूरे सप्ताह के दौरान किए गए कार्यों का जश्न मनाने के लिए समर्पित है, जिसे **"संकल्प सप्ताह - समावेश समारोह"** के रूप में जाना जाता है।
- **प्रतिभागी:** उद्घाटन कार्यक्रम में भारत मंडपम में देश भर से लगभग 3,000 पंचायत और ब्लॉक-स्तरीय जन प्रतिनिधि और पदाधिकारी शामिल हैं।

आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम (एबीपी) के बारे में:

- **प्रारंभ तिथि::** इसे 7 जनवरी, 2023 को प्रारंभ किया गया था, जो 2018 में शुरू किए गए एस्पिरेशनल डिस्ट्रिक्ट प्रोग्राम के आधार पर बनाया गया था, जिसमें पूरे भारत के 112 जिलों को शामिल किया गया था।
- **उद्देश्य:** एबीपी का प्राथमिक उद्देश्य भारत भर के 329 जिलों में फैले 500 आकांक्षी ब्लॉकों में शासन को बढ़ाना और जीवन की गुणवत्ता में सुधार करना है।
- **राज्यों में ब्लॉक:** इनमें से आधे से अधिक ब्लॉक छह राज्यों में स्थित हैं: उत्तर प्रदेश (68 ब्लॉक), बिहार (61), मध्य प्रदेश (42), झारखंड (34), ओडिशा (29), और पश्चिम बंगाल (29)।
- **दृष्टिकोण:** यह वर्तमान योजनाओं, परिणामों को परिभाषित करके और निरंतर निगरानी बनाए रखकर अपने उद्देश्यों को प्राप्त करता है, जिससे अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले क्षेत्रों में समग्र विकास संभव हो पाता है।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

प्रधान मंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (ईएसी-पीएम)

हाल ही में, प्रधान मंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (ईएसी-पीएम) ने स्पष्ट किया है कि भारत जल्द ही सालाना 1,00,000 पेटेंट जारी करने के की क्षमता प्राप्त कर लेगा, जो पिछले 9,000 प्रति वर्ष में महत्वपूर्ण वृद्धि को दर्शाता है।

प्रधान मंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के बारे में:

- ईएसी-पीएम एक स्वतंत्र सलाहकारी निकाय है जो भारत सरकार, विशेष रूप से प्रधान मंत्री को आर्थिक सलाह प्रदान करने के लिए स्थापित की गई है।
- इसका गठन पहली बार सितंबर 2017 में किया गया था, शुरुआत में इसकी अवधि दो साल थी।
- यह प्रधान मंत्री को आर्थिक और संबंधित मुद्दों पर सलाह देता है, चाहे प्रधान मंत्री द्वारा संदर्भित किया गया हो या स्वत: संज्ञान लिया गया हो।
- यह व्यापक आर्थिक चुनौतियों को संबोधित करता है और प्रधान मंत्री को सुझाव प्रस्तुत करता है।
- यह प्रधान मंत्री के अनुरोध के अनुसार अतिरिक्त कार्य भी करता है।

संघटन:

- ईएसी-पीएम का नेतृत्व एक अध्यक्ष करता है।
- इसमें सदस्यों के रूप में प्रख्यात अर्थशास्त्री शामिल होते हैं।
- यह अधिकारियों और प्रशासकों की एक टीम द्वारा समर्थित है।
- परिषद का आकार और संरचना समय के साथ बदल सकती है।

नोडल प्रशासनिक एजेंसी:

- नीति आयोग ईएसी-पीएम के लिए प्रशासनिक, लॉजिस्टिक, योजना और बजटिंग उद्देश्यों के लिए नोडल एजेंसी के रूप में कार्य करता है।

भारत में पेटेंट: भारत में सालाना 1,00,000 पेटेंट जारी करने की सम्भावना है।

पेटेंट क्या है?

- एक पेटेंट किसी आविष्कार के लिए विशेष अधिकार प्रदान करता है, चाहे वह कोई उत्पाद, प्रक्रिया, नया तकनीकी समाधान या विधि प्रदान करता हो।
- पेटेंट प्राप्त करने के लिए, आविष्कार के बारे में तकनीकी जानकारी को पेटेंट आवेदन में सार्वजनिक रूप से प्रकट करना होता है।
- पेटेंट मालिकों के पास सहमति के बिना पेटेंट किए गए आविष्कार का व्यावसायिक उपयोग करने से दूसरों को रोकने का अधिकार होता है।

- पेटेंट क्षेत्रीय होते हैं, केवल उसी देश या क्षेत्र में सुरक्षा प्रदान करते हैं जहां उन्हें दाखिल किया जाता है और प्रदान किया जाता है।
- यह सुरक्षा आम तौर पर आवेदन दाखिल करने की तारीख से 20 साल तक रहती है।

मनरेगा में सामाजिक अंकेक्षण

सन्दर्भ: हाल ही में, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) योजना की सामाजिक लेखा परीक्षा इकाइयां विभिन्न भारतीय राज्यों में चुनौतियों और मुद्दों का सामना कर रही हैं।

सामाजिक लेखापरीक्षा के बारे में:

- सोशल ऑडिट यह सत्यापित करने के लिए आधिकारिक रिकॉर्ड की समीक्षा करने की एक प्रक्रिया है, कि रिपोर्ट किए गए व्यय वास्तविक जमीनी खर्च के साथ संरेखित हैं या नहीं।
- यह सरकारी कार्यक्रमों के सामाजिक प्रभाव का आकलन करता है, सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा देता है और सरकारी जवाबदेही सुनिश्चित करता है।
- यह वित्तीय ऑडिट से अलग है, जो वित्तीय लेनदेन और स्थिरता पर ध्यान केंद्रित करता है।

मनरेगा की धारा 17:

- यह मनरेगा के तहत निष्पादित सभी कार्यों के सामाजिक ऑडिट को अनिवार्य बनाती है।
- यह ग्राम सभा को कार्य निष्पादन की निगरानी करने का अधिकार देती है।
- प्रत्येक राज्य में स्वतंत्र सामाजिक लेखापरीक्षा इकाइयाँ हैं।

सामाजिक लेखापरीक्षा की विशेषताएं:

- सोशल ऑडिट तथ्य-खोज पर जोर देता है, दोष-खोजने पर नहीं।
- यह अधिकारों और प्रक्रियाओं के बारे में जागरूकता बढ़ाता है।
- यह हितधारकों के बीच संवाद को बढ़ावा देता है।
- यह समय पर शिकायत निवारण की सुविधा प्रदान करता है।
- यह लोकतांत्रिक संस्थाओं को मजबूत करता है।

सामाजिक लेखापरीक्षा के लाभ:

- यह नागरिकों को उनके अधिकारों के बारे में सूचित और शिक्षित करता है।
- यह जरूरतों और शिकायतों को व्यक्त करने के लिए एक मंच प्रदान करता है।

- यह नागरिक भागीदारी को प्रोत्साहित करता है।
- यह पारदर्शिता और सरकारी जवाबदेही को बढ़ाता है।
- यह विकेंद्रीकृत शासन को बढ़ावा देता है।

सामाजिक लेखापरीक्षा इकाइयों से जुड़े मुद्दे:

- **कदाचार और वसूली:** सामाजिक लेखापरीक्षा इकाइयां कदाचार को चिह्नित करती हैं, लेकिन वसूली और दंडात्मक कार्रवाई राज्य सरकारों के पास होती है, जिसमें अक्सर प्रभावशीलता की कमी होती है।
- **प्रशिक्षण और कार्मिक:** कई इकाइयों में उचित प्रशिक्षण और पर्याप्त कर्मचारियों का अभाव है।
- **कम वसूली दरें**: वसूली दरें निराशाजनक रही हैं, जिससे ऑडिट की विश्वसनीयता कम हो गई है।
- **खराब निगरानी:** कुछ राज्य लगातार "शून्य मामले" रिपोर्ट करते हैं और "शून्य रिकवरी" करते हैं, जो अपर्याप्त निगरानी का संकेत देता है।

NEWS IN BETWEEN THE LINES

पॉक्सो एक्ट

हाल ही में, लॉ पैनल ने यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम (POCSO Act) में सहमति की उम्र 18 वर्ष रखने की सलाह दी, लेकिन 16 से 18 वर्ष की आयु के किशोरों से जुड़े मामलों के लिए अधिक उदार दृष्टिकोण अपनाने का सुझाव दिया है।

पॉक्सो एक्ट के बारे में:

- यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम (**पॉक्सो एक्ट**) भारत में बाल यौन शोषण को संबोधित करने वाला एक महत्वपूर्ण कानूनी ढांचा है।
- इसे 2012 में अधिनियमित किया गया था।
- इसे महिला एवं बाल विकास मंत्रालय (MoWCD) द्वारा प्रशासित किया जाता है।
- इसे 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को यौन उत्पीड़न, उत्पीड़न और अश्लील साहित्य से बचाने के लिए पारित किया गया है।
- यह ऐसे अपराधों और संबंधित मामलों की सुनवाई के लिए विशेष अदालतें स्थापित करता है।
- इसमें यौन शोषण के विभिन्न रूपों को शामिल किया गया है, जिसमें भेदक और गैर-भेदक हमला (including penetrative and non-penetrative assault), यौन उत्पीड़न और अश्लील साहित्य शामिल हैं।

अधिनियम में संशोधन (2019):

- इसमें दुर्व्यवहार करने वालों को रोकने और बचपन की रक्षा के लिए दंडों को बढ़ाया गया है।
- इसमें गंभीर यौन उत्पीड़न के लिए मौत की सजा का भी प्रावधान किया किया गया है।
- इसमें बाल पोर्नोग्राफी से निपटने के लिए जुर्माना और 20 साल तक की कैद का प्रावधान है।

नूर-3 सैटेलाइट

उत्पत्ति: नूर-3 ईरान द्वारा विकसित एक इमेजिंग सैटेलाइट है।
उद्देश्य: इसमें संभावित जासूसी क्षमताएं हैं, जो ईरान की अंतरिक्ष क्षमताओं को बढ़ाती हैं।
कक्षीय स्थिति: नूर-3 को पृथ्वी की सतह से 450 किलोमीटर (280 मील) ऊपर स्थित कक्षा में स्थापित किया गया है।
प्रक्षेपण यान: उपग्रह को तीन चरण वाले कासिड रॉकेट (Qased (messenger) rocket) का उपयोग करके लॉन्च किया गया था।
पूर्ववर्ती:

- पिछले दो उपग्रह, नूर-1 और नूर-2, क्रमशः अप्रैल 2020 और मार्च 2022 में लॉन्च किए गए थे।
- नूर-1 ने अप्रैल 2022 में पृथ्वी के वायुमंडल में फिर से प्रवेश किया, जबकि नूर-2 कार्यशील है।

ईरान का अंतरिक्ष कार्यक्रम:

- ईरान के अंतरिक्ष कार्यक्रम में नियमित सशस्त्र बल और रिवोल्यूशनरी गार्ड दोनों शामिल हैं, जिनका अपना अंतरिक्ष कार्यक्रम है।
- पहला उपग्रह, नूर-1, अप्रैल 2020 में ईरान द्वारा अंतरिक्ष में लॉन्च किया गया था।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

कमलांग टाइगर रिजर्व

कमलांग टाइगर रिजर्व के बारे में:

- कमलांग टाइगर रिजर्व भारत के अरुणाचल प्रदेश के लोहित जिले के दक्षिण-पूर्वी भाग में स्थित है।
- कमलांग टाइगर रिजर्व भारत का 50वां टाइगर रिजर्व है, जो बाघ संरक्षण और पूर्वी हिमालयी पारिस्थितिकी तंत्र के संरक्षण में योगदान देता है।
- यह मिशमी, डिगारो मिशमी और मिजू मिशमी जैसे आदिवासी समुदायों से घिरा हुआ है जिनका इस क्षेत्र से गहरा संबंध है।

इतिहास:

- इसे 1989 में कमलांग वन्यजीव अभयारण्य के रूप में स्थापित किया गया था।
- भारत की प्रोजेक्ट टाइगर पहल के तहत 2016 में इसे कमलांग टाइगर रिजर्व में अपग्रेड किया गया।

वनस्पति: इसमें उष्णकटिबंधीय सदाबहार वन, उपोष्णकटिबंधीय चौड़ी पत्ती वाले वन, अल्पाइन वनस्पति, बांस के पेड़ और औषधीय पौधों सहित विविध वनस्पतियां पाई जाती हैं।

जीव-जंतु: इसमें रॉयल बंगाल टाइगर, तेंदुआ, एशियाई हाथी और गंभीर रूप से लुप्तप्राय सफेद पेट वाले बगुला सहित समृद्ध वन्यजीव विविधता है।

गुलाबी सुंडी (Pink Bollworm)

"हाल ही में, राजस्थान से हरियाणा तक फैले क्षेत्रों में कपास के खेतों को गुलाबी सुंडी (पिंक बॉलवर्म) द्वारा उत्पन्न एक गंभीर चुनौती का सामना करना पड़ रहा है।"

पिंक बॉलवर्म (पेक्टिनोफोरा गॉसिपिएला):

- पिंक बॉलवॉर्म कपास के सबसे विनाशकारी कीटों में से एक है, जो कपास की फसल को काफी नुकसान पहुंचाता है।
- यह मूल रूप से भारत का स्थानिक है, यह अब दुनिया भर के लगभग सभी कपास उगाने वाले देशों में पाया जाता है।

शारीरिक विवरण:

- वयस्क छोटे पतंगे होते हैं, जिनकी लंबाई लगभग 3/8 इंच होती है।
- उनके अग्र पंखों पर विशिष्ट चिह्नों के साथ उनका रंग गहरा भूरा होता है।
- लार्वा चरण सबसे विनाशकारी और पहचानने योग्य चरण है।

विशिष्ट लार्वा:

- पिंक बॉलवॉर्म के लार्वा को उनके गुलाबी बैंड द्वारा पहचाना जा सकता है।
- प्यूपा बनने से ठीक पहले लंबाई में 1/2 इंच तक बढ़ सकते हैं।।

पारिस्थितिक प्रभाव:

- गुलाबी बॉलवॉर्म विशेष रूप से कपास की फसलों के लिए एक महत्वपूर्ण पारिस्थितिक खतरा पैदा करते हैं।
- वयस्क का जीवनकाल लगभग 2 सप्ताह का होता है, लेकिन इस अवधि के दौरान वे 200 से अधिक अंडे दे सकते हैं।

आर्मागेडन रीडटेल (Armageddon Reedtail)

- हाल ही में पश्चिमी घाट में पाई जाने वाली एक नई प्रजाति को **"आर्मागेडन रीडटेल"** नाम दिया गया है। यह खोज भारत के पुणे में एमआईटी-वर्ल्ड पीस यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं द्वारा की गई थी।
- **आर्मगेडन रीडटेल (प्रोटोस्टिक्टा आर्मागेडोनिया):**
- आर्मगेडन रीडटेल डैमसेल्फ्लाई का शरीर गहरे भूरे से काले रंग का है और उसकी आंखें आकर्षक हरी-नीली हैं।
- इसके आठ उदर खंडों में से आधे नाजुक हल्के नीले निशानों से सुशोभित हैं।
- यह विशेष रूप से घने छत्र आवरण के नीचे प्राथमिक पर्वतीय धाराओं में निवास करता है।
- **खतरे:** निवास स्थान के नुकसान और पर्यावरणीय परिवर्तनों के कारण यह विलुप्त होने का सामना कर रहा है।

ई-मंत्रिमंडल

ई-कैबिनेट क्या है?

- ई-कैबिनेट राज्य सरकारों के लिए इलेक्ट्रॉनिक रूप से कैबिनेट बैठकें आयोजित करने, कागज के उपयोग को कम करने और प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने के लिए एक सॉफ्टवेयर पोर्टल है।
- इसे इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय (MeitY) के तहत राष्ट्रीय सूचना केंद्र (NIC) द्वारा विकसित किया गया है।

त्रिपुरा ई-कैबिनेट :

- ई-कैबिनेट प्रणाली लागू करने वाला त्रिपुरा, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश और अरुणाचल प्रदेश के साथ चौथा राज्य (पूर्वोत्तर में दूसरा) बन गया है।

विशेषताएँ:

- यह बैठकों में प्रौद्योगिकी के उपयोग को अधिकतम करता है।
- यह बैठक से पहले, बैठक के दौरान और बाद की गतिविधियों के लिए कार्य प्रवाह को स्वचालित करता है।

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com

<table>
<tr><td></td><td>लाभ/प्रभाव:
➢ यह संसाधनों (कागज, ईंधन, जनशक्ति) की बचत करता है।
➢ यह ऑनलाइन डेटा अपडेट की सुविधा देता है।
➢ यह बैठक के परिणामों की त्वरित पुनर्प्राप्ति का समर्थन करता है।</td></tr>
<tr><td>समाचार में स्थान
हार्डियन की दीवार</td><td>हाल ही में नॉर्थम्बरलैंड में हार्डियन की दीवार (Hadrian's Wall in Northumberland) के पास स्थित एक विश्व प्रसिद्ध साइकैमोर गैप पेड़ को रातोंरात काट दिया गया।
भौगोलिक स्थिति:
➢ हेड्रियन की दीवार, जिसे रोमन दीवार के नाम से भी जाना जाता है, उत्तरी इंग्लैंड में स्थित है, जो पूर्व में टाइन नदी पर वॉलसेंड से लेकर पश्चिम में बोनेस-ऑन-सोलवे तक फैली हुई है।

लंबाई:
➢ यह दीवार लगभग 73 मील (117.5 किलोमीटर) लंबी थी, जो ब्रिटेन द्वीप की चौड़ाई तक फैली हुई थी।
उद्देश्य:
➢ हैड्रियन की दीवार का निर्माण सम्राट हैड्रियन के शासनकाल के दौरान 122 ई. में रोमनों द्वारा एक रक्षात्मक किलेबंदी के रूप में किया गया था।
➢ इसने रोमन ब्रिटानिया और कैलेडोनिया (अब स्कॉटलैंड) के अजेय क्षेत्र के बीच की सीमा को चिह्नित किया था।
सांस्कृतिक महत्व:
➢ हैड्रियन वॉल को ब्रिटिश सांस्कृतिक प्रतीक और ब्रिटेन के प्रमुख प्राचीन पर्यटक आकर्षणों में से एक माना जाता है।
➢ इसे 1987 में यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल के रूप में नामित किया गया था।

गूलर (साइकैमोर गैप) गैप ट्री:
➢ गूलर गैप ट्री लगभग 300 साल पुराना था और इसे 1991 की फिल्म "रॉबिन हुड: प्रिंस ऑफ थीव्स" में दिखाया गया था, जिसमें केविन कॉस्टनर ने अभिनय किया था।
➢ इसे एक स्थानीय खजाना और इंग्लैंड की पहचान का हिस्सा माना जाता था, जो कलाकारों, लेखकों और फोटोग्राफरों को प्रेरणा देता था।</td></tr>
</table>

POINTS TO PONDER

1. **हाल ही में प्रेस ट्रस्ट ऑफ इंडिया के निदेशक मंडल के अध्यक्ष के रूप में किसे चुना गया है?** - के.एन. शांत कुमार

2. **2023 शास्त्र रामानुजन पुरस्कार से किसे सम्मानित किया जाएगा?** - रुइज़ियांग झांग (Ruixiang Zhang)

3. **हाल ही में किस अंतर्राष्ट्रीय संगठन ने FOWIND (भारत में अपतटीय पवन ऊर्जा की सुविधा) परियोजना पर भारत के साथ सहयोग किया?** - यूरोपीय संघ

4. **टोटो भाषा लिपि और वर्णमाला बनाने के लिए हाल ही में धनीराम को कौन सा प्रतिष्ठित पुरस्कार मिला?** - 'पद्मश्री'

5. **टोटो पारा के पश्चिमी तट पर कौन सी नदी स्थित है?** - तोरसा नदी